MRM

The letter is from Shahajanand.

Briefly. (1198)

1) MRM should let him know when he is visiting Patna next.

2) He is blocked from meeting JP by his secretaries. Please write to JP.

3) JP has not visited Bahpura. MRM should [ask] Bahpura to do so.

[signature]

बहपुरा
25/3/75

Regn
Next deciding
M.R.N.

आदरणीय महात्मा जी
लाखों-लाख प्रणाम

आप जैसे पुन्यवानों की पुनी दया तथा
भगवान की कृपा से सकुशल हूँ। आशा करता
हूँ कि आप भी भगवान की कृपा से स्वस्थ
स्वस्थ एवं सकुशल होंगे। और सब
समाचार ठीक है। उपरान्त आप का पटना या बिहार
में कोई Program है कि नहीं कृपया यदि
Program होगा तो मुझे अवश्य बतलायेंगे।
जे० पी० के निजी सचिव यदि वो अब्राहम
साहब हो या सच्चिदा बाबू नहीं है कि वक्त
लगा आपनाये हुए हैं और मुझे लाख कहने
के बाद भी जे० पी० से नहीं मिलने देते हैं।
मैं क्या करूँ समझ में नहीं आता है।

हम से रिश्ता बन रहा है जे० पी०
के आन्दोलन में भाग ले रहा हूँ और मौज
कर रहा हूँ। जे० पी० 24-3-75 से 28/3/75
तक बिहार के हर एक आन्दोलन में बिहार
में घूम रहे हुए थे। बिहार में एक आम
सभा का आयोजन किया
और सभा शान्ति से किया।

हमें आप से कहना
था कि मौलाना मजहरुल हक
भूमि बहपुरा (पटना) में
जे० पी० अपना Program दें
ताकि से कहा था कि जे० पी०
जी ने आश्वासन दिया था
कि हम बहपुरा जायेंगे।
हमें मिलने नहीं देते हैं। कृपया
आप से अनुरोध है कि जे० पी०
का Program बहपुरा (पटना) में
कराने की कृपा करें। उनके
साथ रहें तो और अच्छा होगा।
लाख कोशिश किया लेकिन
मिलने वाला है। अतः हमारी
है आप से विनती पत्र, के
बहपुरा के लिये Program बना दें।
के लोग सरकारी दमन से
हैं। आशा है आप विचार
करेंगे।

[illegible] को मैं ने आप से कहा था कि
[illegible] ~~B.Sc~~ B.A., B.Sc (कला (स) में
[illegible] जाते व औ [illegible] जो हो [illegible] उनको
[illegible] में किसी तरह की नौकरी में [illegible]
[illegible] जाता हो अच्छा था App. में
[illegible] जाते हैं शायद उनका [illegible]
[illegible] होता है। हमारी अर्ज है कि
[illegible] हो के [illegible] को का इन्तजाम
[illegible] अच्छा होगा। आप ने बताया
[illegible] था कि लड़कों का इन्तजाम
[illegible] होगा। आप ने यह भी कहा था
[illegible] लड़कों का नाम मुझे दे दो [illegible]
[illegible] बम्बई भेज दो। कृपया [illegible]
[illegible] अर्ज [illegible] कि [illegible] जो
[illegible] कों का इन्तजाम हो जाता तो
[illegible] के आभारी होते आप [illegible] चाहे तो
[illegible] हो सकता है [illegible]
[illegible] B. साहब के साथ लड़कों
[illegible] में भेज दें [illegible] 24/8
[illegible] आशा है आप [illegible]
[illegible]

[illegible]

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 20

सेवा में,

श्री एम० आर० मसानी जी।
~~183~~ 148 महात्मा गांधी रोड
बम्बई - 1
बम्बई

पिन PIN

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

[illegible]

पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

बहदुरा
28/4/63

सेवा में,

आदरणीय महावीर जी

लोक-भारती प्रयाग.

भगवान शंकर एवं आप जैसे महान पुरुषों की दया से खैरियत है। आशा करता हूँ कि आप भी भगवान की दया से अवश्य ही आनन्द होंगे। मैं आप की सेवा में 28 मार्च को एक पत्र लिखा था। न जाने क्यों आज तक उस चिट्ठी का कोई जवाब नहीं आया। यदि हमसे कोई गलती भी हुई होगी तो कृपया उसे क्षमा करेंगे और पूर्ववत दया दिखायेंगे। मुझे बाध्य होकर चिट्ठी रजिस्ट्री कराना पड़ रहा है। लगता है चिट्ठी आप की सेवा में नहीं पहुँच सकी। 28/3/63 के चिट्ठी में मैंने जे०पी० से प्रोग्राम के लिये (बहदुरा) में आप से अर्ज किया था और दूसरी बात मैंने आप से अर्ज किया था दो लड़कों के लिये तालों में किसी तरह की नौकरी की। मैं पुनः अर्ज कर रहा हूँ कि चाहे जैसे भी हो जे०पी० हमारे यहाँ एक बार अवश्य आवें। बगैर आप के परिश्रम के प्रोग्राम मुझे नहीं मिलेगा। कारण कि उनका सचिव का जो रवैया है वह ठीक नहीं है और आप को Program उन के बाद ही सही ले ही लेना है। हम चाहेंगे कि आप भी उनके साथ रहें जब जे०पी० मेरे यहाँ आवें।

पीछे चिट्ठी में मैंने कहा था कि -

आप बनारस में मुझे वचन दिया था कि
यदि तुम्हारे पास दो चार लड़के हैं तो
उनका नाम मुझे दो इन्तजाम हो जायेगा।
दो-तीन लड़के हैं जिसे आप को समझना
है कि वह सहजा ही है। आज तक मैंने
आप से कोई अर्ज़ व्यक्तिगत काम
के लिये नहीं किया है। यदि आप चाहेंगे
तो हम गरीब का यह बालक सब का
उद्धार अवश्य ही हो जायेगा। टाटा में
नौकरी रोज लोगों को मिलता है वहाँ जगह
रोज बनता है। यदि हृदय से आप थोड़ा
मदद भी चाहेंगे तो काम जल्द ही हो
सकेगा। यदि आप कहें तो उन लड़कों को
लेकर मैं आप की सेवा में बम्बई आ
जाऊँ। आज गुजरात का चुनाव तो आप
के लिये भयंकर मसला बन ही गया है फिर
भी समय निकाल कर चाहे जैसे भी हो
इन के आर्थिक सहायता ही सही इन बच्चों
का उपाय यदि आप के माध्यम से हो जाता तो
मैं आप का सदा आभारी रहूँगा। गुजरात के
चुनाव के बाद कृपया यदि आप अपना Program
दें तो मैं खुद आकर आप से बम्बई
में मिलूँगा। विशेष पुनः अर्ज़ है कि चाहे जैसे
भी हो इन बच्चों का इन्तजाम आप टाटा में
अवश्य करवा कर यश के भागी बनें।

यह लड़का सब B.A
और B.A; B.Sc. है

आप का कृपाकांक्षी
सहजानन्द
धहपुरा (पटना)